

15¹¹/₁₇ पञ्जावली पेशा डुडि। वकील खादी
उप. गद्य। उवाच आवाज लगदि गई।
बार-बार आवाज लगाने पर भी
उपनि गद्य जाने पर वादवादी कडम
पैरवी कडम ~~पैरवी~~ हाजरी में
स्वार्थ किमा फलत ही पञ्जावली पेशा
भुम्भ होकर नम्बर से कडम की फलत
दा विल इप्तर हो।